उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री प्रथम सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

(सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मकपाठ्यक्रम

विषय: राजनीति विज्ञान, कोड: GE-01

पाठ्यक्रम का शीर्षक: राजनीति विज्ञान का परिचय

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी:

1. राजनीति विज्ञान के अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।राजनीति विज्ञान का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध स्पष्ट कर सकेंगे।

2.. राज्य की अवधारणा, उसके आवश्यक तत्वों तथा सरकार की भूमिका को समझ सकेंगे। सरकार के विभिन्न अंगों एवं उनके कार्यों का विश्लेषण कर सकेंगे।.

3.स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसी मूलभूत राजनीतिक अवधारणाओं को समझ और व्याख्यायित कर सकेंगे। लोकतंत्र की अवधारणा, विशेषताओं तथा लोकतांत्रिक शासन के महत्त्व को समझ सकेंगे।

4.. नागरिकता, नागरिक उत्तरदायित्व एवं संविधान की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे। निर्वाचन प्रक्रिया एवं राजनीतिक सहभागिता के महत्त्व को समझ सकेंगे।

5. राजनीतिक दलों, जनमत और मीडिया की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, राजनीतिक जागरूकता, आलोचनात्मक चिंतन एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित होगी।

इकाई	पाठ्यविषय/विवरण
I	राजनीति विज्ञान का परिचय • राजनीति विज्ञान का अर्थ एवं प्रकृति • राजनीति विज्ञान का क्षेत्र एवं महत्त्व • राजनीति विज्ञान का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध(इतिहस, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र)
II	राज्य एवं सरकार • राज्य का अर्थ एवं आवश्यक तत्व • सरकार एवं उसके कार्य • सरकार के अंग(व्यवस्थिपका, कार्यपालिका, न्यायपालिका)
III	मूलभूत राजनीतिक अवधारणाएँ • स्वतंत्रता • समानता • न्याय

IV	लोकतंत्र एवं नागरिकता • लोकतंत्र: अर्थ एवं विशेषताएँ • नागरिकता एवं नागरिक उत्तरदायित्व • संविधान: एक मूलभूत परिचय
V	राजनीतिक सहभागिता • निर्वाचन • राजनीतिक दल • जनमत एवं मीडिया

संदर्भ ग्रंथ सूची —

1. जौहरी, जे. सी. राजनीति विज्ञान के सिद्धांत. स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
2. अग्रवाल, आर. सी. राजनीति विज्ञान. एस. चंद एंड कंपनी।
3. गौबा, ओ. पी. राजनीतिक सिद्धांत. मेयो स्कूल ऑफ पॉलिटिकल साइंस।
4. भार्गव, राजीव, और अशोक आचार्य. राजनीतिक सिद्धांत: एक परिचय. पीयर्सन।
5. शर्मा, एम. पी. राजनीति विज्ञान. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल।
6. फड़िया, बी. एल., और कुलदीप फड़िया. भारतीय शासन एवं राजनीति. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स।
7. श्रीवास्तव, ए. ए. राजनीति विज्ञान का परिचय. शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री दिवतीय सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मकपाठ्यक्रम

विषय: राजनीति विज्ञान, कोड: GE-02

पाठ्यक्रम का शीर्षक: भारतीय संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्य

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी:

1. विद्यार्थी भारतीय संविधान के निर्माण, प्रस्तावना एवं प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी मौलिक अधिकार, नीति-निर्देशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्यों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद, संसद एवं सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी निर्वाचन आयोग एवं स्थानीय स्वशासन की लोकतांत्रिक भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन एवं लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका के प्रति जागरूक होंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/विवरण
I	संविधान का निर्माण एवं स्वरूप • संविधान का निर्माण • संविधान की प्रस्तावना • संविधान की प्रमुख विशेषताएँ
II	मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति-निर्देशक तत्व • मौलिक अधिकार • राज्य के नीति-निर्देशक तत्व • मौलिक कर्तव्य
III	संघीय कार्यपालिका एवं संसद • भारत के राष्ट्रपति • प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद • संसद
IV	न्यायपालिका, निर्वाचन एवं स्थानीय स्वशासन • सर्वोच्च न्यायालय • निर्वाचन आयोग • स्थानीय स्वशासन
V	लोकतांत्रिक मूल्य एवं सुशासन • लोकतांत्रिक मूल्य • सुशासन • लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. डीडी बसु। भारत के संविधान का परिचयलेक्सिसनेक्सिस।
2. सुभाष कश्यप। हमारा संविधान। नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत।
3. एम. लक्ष्मीकांत। भारत की राजव्यवस्था। मैकग्रा हिल।
4. दुर्गा दास बसु। भारतीय संविधान: एक परिचय। वाधवा एंड कंपनी।
5. ग्रोवर, वेरोनिका। भारतीय संविधान और राजनीतिक व्यवस्था। दीप एंड दीप पब्लिकेशन्स।
6. आर. सी. अग्रवाल। भारतीय संविधान एवं प्रशासन। एस. चंद एंड कंपनी।
7. जे. सी. जौहरी। भारतीय सरकार और राजनीति। स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
8. बी. एल. फाड़िया। भारतीय सरकार एवं राजनीति। साहित्य भवन।
9. एम. पी. शर्मा। भारतीय प्रशासन। लक्ष्मी नारायण अग्रवाल।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री तृतीय सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मकपाठ्यक्रम

विषय: राजनीति विज्ञान, कोड: GE-03

पाठ्यक्रम का शीर्षक: भारतीय शासन एवं राजनीति

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी:

1. विद्यार्थी भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, संघीय व्यवस्था एवं संसदीय शासन की प्रकृति को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी संघ एवं राज्य सरकारों तथा केंद्र–राज्य संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी भारतीय न्यायपालिका, निर्वाचन प्रक्रिया एवं राजनीतिक दलों की भूमिका को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी पंचायती राज, नगरीय स्थानीय शासन एवं नागरिक सहभागिता के महत्त्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी मीडिया, समकालीन राजनीतिक मुद्दों एवं निर्वाचन सुधारों के लोकतंत्र पर प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/विवरण
I	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था • भारतीय राजनीतिक व्यवस्था • संघीय व्यवस्था • संसदीय शासन व्यवस्था
II	संघ एवं राज्य शासन • संघ सरकार • राज्य सरकार • केंद्र–राज्य संबंध
III	न्यायपालिका, निर्वाचन एवं राजनीतिक दल • भारत में न्यायपालिका • निर्वाचन प्रक्रिया • राजनीतिक दल
IV	स्थानीय शासन एवं नागरिक सहभागिता • पंचायती राज व्यवस्था • नगरीय स्थानीय शासन • नागरिक सहभागिता
V	मीडिया एवं समकालीन राजनीति • मीडिया एवं राजनीति • समकालीन राजनीतिक मुद्दे • निर्वाचन सुधार

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. बसु, दुर्गा दास। भारत के संविधान का परिचय लेक्सिस नेक्सिस ।
2. कश्यप, सुभाष। हमारा संविधान। नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत।
3. लक्ष्मीकांत, एम। भारत की राजव्यवस्था। मैकग्रा हिल।
4. फाड़िया, बी. एल। भारतीय सरकार एवं राजनीति। साहित्य भवन।
5. जौहरी, जे. सी। भारतीय सरकार और राजनीति। स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
6. कोठारी, रजनी। भारत में राजनीति: कल और आज। ओरिएंट ब्लैकस्वान।
7. चंद्र, बिपिन। भारत में स्वतंत्रता के बाद। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया।
8. आचार्य, अशोक। भारतीय राजनीतिक व्यवस्था। पीयरसन।
9. पई, सुधा। भारतीय राजनीति और शासन। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
10. नारायण, जयप्रकाश। भारतीय लोकतंत्र और राजनीतिक व्यवस्था। प्रभात प्रकाशन।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री चतुर्थ सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मकपाठ्यक्रम

विषय: राजनीति विज्ञान, कोड: GE-04

पाठ्यक्रम का शीर्षक: तुलनात्मक राजनीति एवं लोक प्रशासन

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी:

1. विद्यार्थी तुलनात्मक राजनीति, राजनीतिक व्यवस्थाओं एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं की अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी संसदीय, अध्यक्षात्मक, संघात्मक एवं एकात्मक शासन प्रणालियों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी लोक प्रशासन, संगठन, प्रशासनिक संरचना एवं लोक सेवाओं की भूमिका को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी सुशासन, सार्वजनिक नीति एवं ई-शासन के महत्त्व और उपयोगिता का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी पंचायती राज, नगरीय स्थानीय शासन एवं प्रशासनिक सुधारों की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/विवरण
I	तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक व्यवस्था • तुलनात्मक राजनीति • राजनीतिक व्यवस्थाएँ • संविधान
II	शासन प्रणालियाँ • संसदीय शासन प्रणाली • अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली • संघात्मक एवं एकात्मक शासन व्यवस्था
III	लोक प्रशासन • लोक प्रशासन • संगठन एवं प्रशासन • लोक सेवाएँ
IV	सुशासन एवं सार्वजनिक नीति • सुशासन • सार्वजनिक नीति • ई-शासन
V	स्थानीय शासन एवं प्रशासनिक सुधार • पंचायती राज संस्थाएँ • नगरीय स्थानीय शासन • प्रशासनिक सुधार

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. जौहरी, जे. सी., और एस. एस. जौहरी। तुलनात्मक राजनीति। स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
2. आलमंड, गैब्रियल ए., और जी. बिंघम पॉवेल जूनियर। तुलनात्मक राजनीति: एक विकासात्मक दृष्टिकोण। लिटिल, ब्राउन एंड कंपनी।
3. 5. रिग्स, फ्रेड डब्ल्यू। विकासशील देशों में प्रशासन: प्रिज़मैटिक समाज का सिद्धांत। ह्यूटन मिफ्लिन।
4. 6. अवस्थी, ए., और एस. आर. माहेश्वरी। लोक प्रशासन। लक्ष्मी नारायण अग्रवाल।
5. 7. महेश्वरी, श्रीराम। भारतीय प्रशासन। ओरिएंट ब्लैकस्वान।
6. 8. शर्मा, एम. पी., और बी. एल. सदाना। लोक प्रशासन: सिद्धांत एवं व्यवहार। किताब महल।
7. 9. भट्टाचार्य, मोहित। लोक प्रशासन: नए परिप्रेक्ष्य। जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।
8. 10. अरोड़ा, रमेश के.और राजनी गोयल। भारतीय लोक प्रशासन: संस्थाएँ एवं मुद्दे। न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

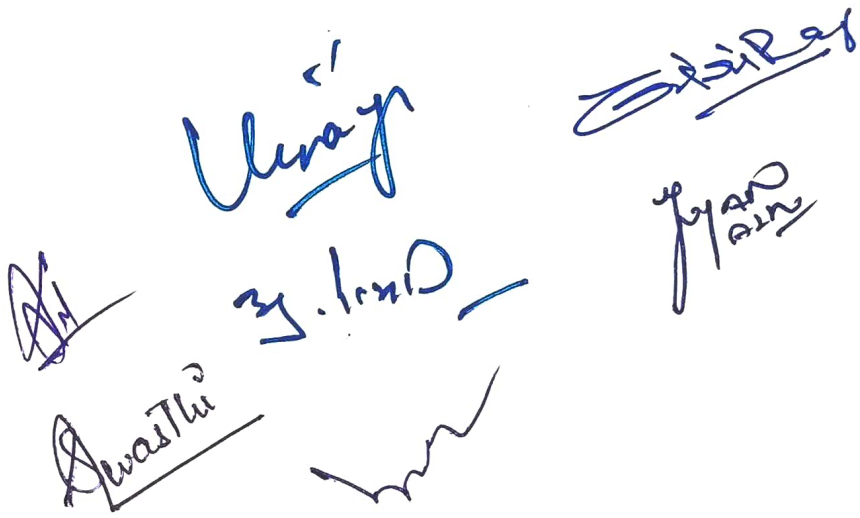

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री पंचम सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम

(सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मकपाठ्यक्रम

विषय: राजनीति विज्ञान, कोड: GE-05

पाठ्यक्रम का शीर्षक: अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं भारत की विदेश नीति

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25 पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी:

1.छात्र-छात्राएँ अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति, क्षेत्र एवं प्रमुख अवधारणाओं को समझ सकेंगे।

2. छात्र-छात्राएँ राष्ट्रीय हित, विदेश नीति, कूटनीति एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग का विश्लेषण कर सकेंगे।

3. छात्र-छात्राएँ संयुक्त राष्ट्र, सार्क, ब्रिक्स एवं जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका समझ सकेंगे।

4. छात्र-छात्राएँ भारत की विदेश नीति तथा पड़ोसी देशों एवं प्रमुख शक्तियों के साथ भारत के संबंधों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

5. छात्र-छात्राएँ मानवाधिकार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास तथा विश्व मामलों में भारत की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/विवरण
I	• अंतरराष्ट्रीय संबंध • राष्ट्रीय हित • विदेश नीति
II	• कूटनीति • अंतरराष्ट्रीय संगठन • वैश्वीकरण
III	• संयुक्त राष्ट्र • सार्क, ब्रिक्स एवं जी-20 • अंतरराष्ट्रीय सहयोग
IV	• भारत की विदेश नीति • भारत एवं पड़ोसी देश • भारत एवं प्रमुख शक्तियाँ
V	• मानवाधिकार • जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास • विश्व मामलों में भारत की भूमिका

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. दास, एम. एन. रॉय। अंतरराष्ट्रीय संबंध और विश्व राजनीति। नई दिल्ली: मैकमिलन इंडिया।
2. महेंद्र कुमार। समकालीन अंतरराष्ट्रीय राजनीति। नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
3. अरुण कुमार। अंतरराष्ट्रीय संबंध। नई दिल्ली: एस. चंद एंड कंपनी।
4. पामर, नॉर्मन डी., और हावर्ड सी. पर्किन्स। अंतरराष्ट्रीय संबंध। नई दिल्ली: के. एल. पब्लिकेशन।
5. गुलाटी, जगत एस. अंतरराष्ट्रीय राजनीति। नई दिल्ली: एस. चंद एंड कंपनी।
6. प्रकाश चंद्र। अंतरराष्ट्रीय राजनीति। नई दिल्ली: रावत पब्लिकेशन।
7. वी. एन. खन्ना। अंतरराष्ट्रीय संबंध। नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस।
8. वी. पी. दत्त। भारत की विदेश नीति। नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट।
9. जे. एन. दीक्षित। भारत की विदेश नीति: प्रासंगिक मुद्दे और चुनौतियाँ। नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री षष्टम सत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मकपाठ्यक्रम

विषय: राजनीति विज्ञान, कोड: GE-06

पाठ्यक्रम का शीर्षक: समकालीन राजनीति एवं शासन

क्रेडिट: 04

पूर्णांक: 100

सैद्धांतिक मूल्यांकन: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी:

1. छात्र-छात्राएँ समकालीन राजनीतिक मुद्दों, मानवाधिकार एवं पर्यावरणीय राजनीति की अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
2. छात्र-छात्राएँ लोक नीति, सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के महत्त्व का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. छात्र-छात्राएँ डिजिटल लोकतंत्र, सोशल मीडिया तथा डिजिटल शासन के राजनीतिक प्रभावों को समझ सकेंगे।
4. छात्र-छात्राएँ भारत की वैश्विक भूमिका, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सतत विकास से संबंधित समकालीन चुनौतियों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. छात्र-छात्राएँ राजनीतिक नेतृत्व, नागरिकता एवं नागरिक उत्तरदायित्व को समझते हुए क्षेत्रीय अध्ययन एवं परियोजना कार्य के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान विकसित कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/विवरण
I	समकालीन राजनीतिक मुद्दे • समकालीन राजनीतिक मुद्दे • मानवाधिकार • पर्यावरणीय राजनीति
II	लोक नीति एवं सुशासन • लोक नीति • सुशासन • पारदर्शिता एवं जवाबदेही
III	डिजिटल राजनीति एवं शासन • डिजिटल लोकतंत्र • सोशल मीडिया एवं राजनीति • डिजिटल शासन
IV	भारत एवं समकालीन वैश्विक चुनौतियाँ • भारत की वैश्विक भूमिका • राष्ट्रीय सुरक्षा • सतत विकास
V	राजनीतिक नेतृत्व एवं नागरिकता • राजनीतिक नेतृत्व • नागरिकता एवं नागरिक उत्तरदायित्व • क्षेत्रीय अध्ययन / परियोजना कार्य

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

1. अवस्थी, ए. एवं माहेश्वरी, एस. आर. भारतीय प्रशासन. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
2. अरोड़ा, आर. के. एवं गोयल, राजीव. भारतीय लोक प्रशासन: संस्थाएँ एवं मुद्दे. न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
3. महेश्वरी, एस. आर. भारतीय प्रशासन. ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली।
4. शर्मा, एम. पी. एवं सदाना, बी. एल. लोक प्रशासन: सिद्धांत एवं व्यवहार. किताब महल, इलाहाबाद।
5. फड़िया, बी. एल. एवं फड़िया, कुलदीप. लोक प्रशासन. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
6. अवस्थी, ए. एवं अवस्थी, ए. पी. भारतीय प्रशासन. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
7. द्विवेदी, ओ. पी. सुशासन और विकास. मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया, नई दिल्ली।
8. दत्त, आर. सी. पर्यावरण एवं विकास. रावत पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
9 . चौधरी, सुबीर. ई-शासन और डिजिटल लोकतंत्र. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री प्रथम सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–01

प्रश्न पत्र – व्यष्टि अर्थशास्त्र

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी–

1. अर्थशास्त्र की मूल अवधारणाओं तथा व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर को समझ सकेंगे।
2. मांग, मांग की लोच तथा उपभोक्ता व्यवहार के सिद्धान्तों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. उत्पादन, उत्पादन फलन तथा लागत सम्बन्धी सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
4. विभिन्न बाजार संरचनाओं, विशेषकर पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार में मूल्य एवं उत्पादन निर्धारण को समझ सकेंगे।
5. आर्थिक समस्याओं के समाधान हेतु सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग करने में सक्षम होंगे।

इकाई	पाठ्य विषय/ विवरण
1.	अर्थशास्त्र का परिचय, अर्थशास्त्र की परिभाषा एवं क्षेत्र, व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर, अर्थशास्त्र के अध्ययन की विधियाँ, निगमन विधि, आगमन विधि
2.	उपभोक्ता व्यवहार एवं मांग सिद्धान्त, मांग का नियम, मांग की लोच, उपभोक्ता की बचत, उपभोक्ता का व्यवहार, उदासीनता वक्र विश्लेषण
3.	उत्पादन सिद्धान्त, आर्थिक एवं अनार्थिक मितव्ययिताएँ, उत्पादन फलन, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम, पैमाने का प्रतिफल, समोत्पाद (Isoquant) वक्र विश्लेषण
4.	लागत एवं बाजार सिद्धान्त, बाजार मूल्य एवं सामान्य मूल्य, अवसर लागत, लागत वक्र, आगम वक्रों का विश्लेषण, पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म एवं उद्योग का, अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन संतुलन, एकाधिकार के अन्तर्गत फर्म का संतुलन
5.	वितरण सिद्धान्त, सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त, रिकार्डो का लगान सिद्धान्त, लगान का आधुनिक सिद्धान्त, मजदूरी का आधुनिक सिद्धान्त, ब्याज का प्रतीक्षा एवं तरलता पसन्दगी सिद्धान्त,लाभ का सिद्धान्त

संदर्भ सूची

- डॉ. जे.सी पन्त, सूक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा।
- वी. सी. सिंहा, व्यष्टि अर्थशास्त्र,एसबीपीडी पब्लिकेशन आगरा
- एम एल झींगन, व्यष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन आगरा

24/08/26 24/08/26 24/08/26

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री द्वितीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–02

प्रश्न पत्र– मुद्रा, बैंकिंग ,वं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणामः
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :
1. मुद्रा की प्रकृति, कार्यों एवं आर्थिक विकास में उसकी भूमिका को समझ सकेंगे।
2. मुद्रा की मांग एवं पूर्ति तथा मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति की अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. वाणिज्यिक एवं केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली तथा भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों को समझ सकेंगे।
4. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांतों एवं महत्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. भुगतान संतुलन, विनिमय दर तथा मुक्त व्यापार एवं संरक्षण नीति की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	मुद्रा का परिचयः मुद्रा का अर्थ, प्रकृति एवं परिभाषाएँ, मुद्रा के कार्य एवं महत्व, मुद्रा का वर्गीकरण, पूँजीवादी, समाजवादी एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका
2.	मुद्रा की मांग, पूर्ति एवं मूल्यः मुद्रा की मांग एवं पूर्ति, फिशर का मुद्रा परिमाण सिद्धांत, मुद्रास्फीतिरू अर्थ, प्रकार, कारण एवं प्रभाव, अवस्फीति रू अर्थ, कारण एवं प्रभाव
3.	बैंकिंग व्यवस्था, वाणिज्यिक बैंकः अर्थ, कार्य एवं प्रकार, केंद्रीय बैंकरू अर्थ एवं कार्य, साख नियंत्रण की विधियाँ, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की भूमिका एवं कार्य
4.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापारः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व, अंतर–क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, एडम स्मिथ का निरपेक्ष लाभ सिद्धांत
5.	भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन (Balance of Payments) का अर्थ, व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन में अंतर, भुगतान संतुलन असंतुलन के कारण एवं सुधार के उपाय,, मुक्त व्यापार बनाम संरक्षण

संदर्भ पुस्तकें

1– एच. एल. आहूजा – मुद्रा, बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली – एस, चांद प्रकाशन, नई दिल्ली।
2– डी. एम. मिथानी – मुद्रा, बैंकिंग एवं वित्तीय प्रणाली – हिमालय पब्लिशिंग हाउस, मुंबई।
3– एम. एल. झिंगन – मौद्रिक अर्थशास्त्र – वृंदा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
4– आर. आर. पॉल – मौद्रिक अर्थशास्त्र – कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
5– बी. एन. पुरी – मौद्रिक अर्थशास्त्र – लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
6– एस. बी. गुप्ता – मौद्रिक अर्थशास्त्र – एस. चांद एंड कंपनी, नई दिल्ली।
7– एच. एल. भाटिया – अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र – विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

24/08/26 24/08/26 24/08/26

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री द्वितीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–03

प्रश्न पत्र– लोक वित्त

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लोक वित्त की अवधारणा को समझ सकेंगें
2. सार्वजनिक व्यय के सन्दर्भ में समझ सकेंगें।
3. सार्वजनिक आय, सार्वजनिक ऋण तथा राजकोषीय नीति के सिद्धांतों एवं व्यवहारिक पक्षों से परिचित हो सकेगें।
4. सरकार की वित्तीय गतिविधियों तथा आर्थिक विकास में उनकी भूमिका को समझ सकेंगें।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	लोक वित्त : लोक वित्त का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व , लोक वित्त और निजी वित्त में अंतर, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत
2.	सार्वजनिक व्यय : सार्वजनिक व्यय का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व , सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत (Canons of Public Expenditure), सार्वजनिक व्यय का वर्गीकरण, सार्वजनिक व्यय के प्रभाव, सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के कारण
3.	सार्वजनिक आय एवं कराधान: सार्वजनिक आय का अर्थ एवं स्रोत, कराधान का अर्थ एवं प्रभाव, करों की विशेषताएँ एवं उद्देश्य, कराधान के सिद्धांत , प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर
4.	सार्वजनिक ऋण : सार्वजनिक ऋण का अर्थ, उद्देश्य एवं स्रोत, सार्वजनिक ऋण के प्रभाव एवं भार, सार्वजनिक ऋण के प्रकार, सार्वजनिक ऋण मोचन की विधियाँ,
5.	घाटा वित्तपोषण एवं राजकोषीय नीति : घाटा वित्तपोषण का अर्थ एवं महत्व, घाटा वित्तपोषण के लाभ एवं सीमाएँ, विकासशील अर्थव्यवस्था में राजकोषीय नीति के उद्देश्य, आर्थिक विकास में राजकोषीय नीति की भूमिका,

संदर्भ सूची

1. ए के सिंह, लोकवित, साहित्य भवन आगरा
2. डॉ वीसी सिंहा, एसबीपीडी पब्लिकेशन आगरा
3. एच एल भाटिया, पब्लिक फाइनेंस, विकास पब्लिकेशन हाउस नई दिल्ली

24/08/26
24/08/26
24/08/26

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
शास्त्री द्वितीय सत्र
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय – अर्थशास्त्र, कोड GE–04

प्रश्न पत्र– कृषि अर्थशास्त्र

क्रेडिट: 04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी :

1. कृषि अर्थशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
2. कृषि उत्पादकता, कृषि विपणन, अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
3. कृषि विकास एवं कृषि वित्त की समग्र समझ प्राप्त कर सकेंगे।
4. भारतीय कृषि क्षेत्र की समस्याओं एवं संभावनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	कृषि अर्थशास्त्र का परिचय, कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ एवं परिभाषा, कृषि अर्थशास्त्र का क्षेत्र , कृषि अर्थशास्त्र का महत्व, भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान
2.	कृषि उत्पादकता: कृषि उत्पादकता का अर्थ, भारत में निम्न कृषि उत्पादकता के कारण, कृषि उत्पादकता बढ़ाने के उपाय, कृषि उत्पादकता वृद्धि हेतु सरकारी योजनाएँ एवं कार्यक्रम
3.	कृषि विपणन: कृषि विपणन का अर्थ एवं महत्व, कृषि विपणन की समस्याएँ एवं दोष, स्वतंत्रता के पश्चात कृषि विपणन में सुधार, कृषि विपणन के विकास हेतु सरकारी उपाय
4.	हरित क्रान्ति एवं कृषि विकास: हरित क्रान्ति का अर्थ एवं विशेषताएँ, हरित क्रान्ति की सफलता एवं सीमाएँ, कृषि मूल्य आयोग (CACP) का परिचय एवं कार्य, श्वेत क्रान्ति एवं नीली क्रान्ति
5.	कृषि वित्त: कृषि वित्त का अर्थ एवं आवश्यकता, कृषि वित्त के स्रोत, भारतीय कृषि वित्त की समस्याएँ, कृषि वित्त के क्षेत्र में सरकार द्वारा किये गये प्रयास, नाबार्ड (NABARD) की भूमिका एवं कार्य

संदर्भ सूची

1. एम.सी. गुप्ता –कृषि अर्थशास्त्र, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा।
2. डॉ. बी.एल. माथुर – कृषि अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशन, दिल्ली।
3. हरसरन दास – कृषि अर्थशास्त्र, रामा पब्लिकेशन, मेरठ।
4. प्रो. रेखा डी. बसाया – कृषि अर्थशास्त्र, जे.डी.एस. पब्लिकेशन, दिल्ली।
5. सदानन्द सिंह – भारतीय कृषि अर्थशास्त्र।
6. दत्त एवं सुंदरम – भारतीय अर्थव्यवस्था।

24/08/26
24/08/26
24/08/26

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

शास्त्री पंचम सेमेस्टर
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय : अर्थशास्त्र, GE-05
प्रश्न पत्र : भारतीय अर्थव्यवस्था

क्रेडिट-04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति, संरचना तथा प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों की भूमिका तथा समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. जनसंख्या, प्राकृतिक संसाधनों एवं आधारभूत संरचना के आर्थिक विकास में योगदान को समझ सकेंगे।
4. बेरोजगारी, गरीबी तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. भारत की आर्थिक नीतियों, सुधारों एवं समकालीन विकास कार्यक्रमों का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय/ विवरण
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था का परिचयः भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति, संरचना एवं विशेषताएँ, प्राकृतिक संसाधन: भूमि, जल, वन एवं खनिज, आधारभूत संरचना (Infrastructure) का महत्व, भारत में आधारभूत संरचना का विकास
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था का जनांकिकीय स्वरूपः भारतीय जनसंख्या की संरचना एवं विशेषताएँ, नवीनतम जनगणना के आधार पर जनसंख्या का अध्ययन, जनसंख्या संबंधी समस्याएँ, भारत की जनसंख्या नीति
3.	भारतीय कृषिः भारतीय कृषि की प्रकृति एवं महत्व, कृषि जोत एवं भूमि सुधार, हरित क्रांति, कृषि एवं ग्रामीण श्रम, कृषि वित्त एवं कृषि विपणन, भारत की कृषि नीति
4.	भारतीय उद्योगः भारत में उद्योगों की वृद्धि एवं समस्याएँ, भारी, मध्यम, लघु एवं कुटीर उद्योग, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के बाद औद्योगिक विकास, औद्योगिक वित्त, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया एवं डिजिटल इंडिया कार्यक्रम एवं नवीन औद्योगिक नीति
5.	बेरोजगारीः भारत में बेरोजगारी का स्वरूप एवं मापन, बेरोजगारी के प्रकार, कारण एवं निवारण, गरीबी की अवधारणा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

संदर्भ पुस्तकें

1. अग्रवाल, ए.एन. – भारतीय अर्थव्यवस्था
2. मिश्रा एवं पुरी – भारतीय अर्थव्यवस्था
3. रुद्रदत्त एवं सुंदरम – भारतीय अर्थव्यवस्था
4. बिमल जालान – भारतीय अर्थव्यवस्था की समस्याएँ

24/08/26

24/08/26

24/08/26

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

शास्त्री षष्टम सेमेस्टर
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम
(सत्र 2026–27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
विषय : अर्थशास्त्र, कोड: GE-06
प्रश्न पत्र : उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था

क्रेडिट-04

पूर्णांक:100
सैद्धांतिक: 75
आंतरिक मूल्यांकन: 25

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था, उसकी विशेषताओं तथा जनसांख्यिकीय प्रोफाइल का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. उत्तराखण्ड के कृषि क्षेत्र, कृषि–सहायक गतिविधियों तथा उनकी समस्याओं को समझ सकेंगे।
3. राज्य के औद्योगिक विकास, एमएसएमई तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योगों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. पर्यटन, प्रवासन तथा महिला सशक्तिकरण के आर्थिक महत्व को समझ सकेंगे।
5. बेरोजगारी, गरीबी एवं विभिन्न सरकारी रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्य विषय / विवरण
1.	उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था का परिचय, उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था : परिचय एवं विशेषताएँ, उत्तराखण्ड का जनसांख्यिकीय प्रोफाइल, उत्तराखण्ड में प्राकृतिक संसाधन, राज्य की आर्थिक संरचना एवं विकास की प्रवृत्तियाँ
2.	उत्तराखण्ड की कृषि अर्थव्यवस्था, उत्तराखण्ड का कृषि प्रोफाइल, कृषि एवं कृषि–संबद्ध क्षेत्र, पशुपालन एवं डेयरी विकास, कृषि क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ एवं चुनौतियाँ
3.	उत्तराखण्ड का औद्योगिक विकास, उत्तराखण्ड का औद्योगिक प्रोफाइल, भारी उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र, नई औद्योगिक नीतियाँ, ग्राम एवं कुटीर उद्योगों की समस्याएँ
4.	पर्यटन, प्रवासन एवं महिला अर्थव्यवस्था, उत्तराखण्ड में पर्यटन क्षेत्र का विकास, पर्यटन का आर्थिक महत्व, प्रवासन एवं प्रतिप्रवासन (Reverse Migration) की समस्याएँ, उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका
5.	गरीबी, बेरोजगारी एवं सरकारी योजनाएँ, उत्तराखण्ड में बेरोजगारी एवं गरीबी की स्थिति, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार (सौर) योजना, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM)

संदर्भ पुस्तकें

- पी. सी. पाण्डेय, डी. सी. पाण्डेय एवं पी. एस. बिष्ट : उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था।
- रमेश चन्द्र पाण्डेय : उत्तराखण्ड का आर्थिक विकास।
- एस. एस. रावत एवं अन्य : उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था एवं विकास।
- डी. आर. गाडगिल : भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था।
- एच. एल. आहूजा : विकास का अर्थशास्त्र।
- एम. एल. झिंगन : आर्थिक विकास एवं नियोजन।
- मिश्र एवं पुरी : भारतीय अर्थव्यवस्था।
- दत्त एवं सुंदरम : भारतीय अर्थव्यवस्था।
- उमा कपूर : भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास।
- वी. के. आर. वी. राव : भारत में आर्थिक विकास एवं नियोजन।

24/08/26

24/08/26

24/08/26